अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश–40

प्र. 1 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) भेद द्वार लिखें।

(ख) द्रव्य, क्षेत्र, काल भाव गुण द्वार के आधार पर जीव-अजीव, संवर, निर्जरा को समझाएं।

(ग) क्षायोपशमिक भाव किसे कहते हैं? मोहनीय व अंतराय कर्म के क्षयोपशम से होने वाली अवस्थाएं लिखें।

(घ) रूपी-अरूपी द्वार तथा सावद्य-निरवद्य द्वार लिखें।

(ङ) दृष्टान्त द्वार के आधार पर आश्रव व निर्जरा को समझाएं।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) दृष्टान्त द्वार से पुण्य-पाप को समझाएं।

(ख) विस्तार द्वार से आश्रव व संवर के भेद अर्थ सहित लिखें।

(ग) नाम व गोत्र कर्म बंध के कारण लिखें।

(घ) आयुष्य कर्म व अंतराय कर्म के उदाहरण लिखें।

(ङ) द्रव्य गुण पर्याय को परिभाषित करते हुए विशेष गुण लिखें।

(च) भाव किसे कहते हैं? औदयिक भाव की अवस्थाएं लिखें।

कर्म प्रकृति–35

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के हेतु परिभाषा सहित विस्तार से लिखें।

(ख) चारित्र मोहनीय कर्म की प्रकृतियों की स्थिति तथा यह उदय में आने पर कितने समय तक रह सकता है?

(ग) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) आयुष्य कर्म की स्थिति व लक्षण एवं कार्य लिखें।

(ङ) पिंड प्रकृतियां कितनी हैं, उनमें प्रथम छह को विस्तार से लिखें।

(च) त्रस दशक को विस्तार से लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) अंतराय कर्म बंध के हेतु स्थिति, अबाधाकाल व गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) अपवर्त्तना, सत्ता, निकाचना परिभाषा सहित लिखें।

(ग) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त कौन-कौन से हैं?

(घ) वेदनीय कर्म की स्थिति अबाधाकाल लिखें।

(ङ) सात वेदनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(च) दर्शनावरणीय कर्म की उत्तर प्रकृतियां अर्थ सहित लिखें।

(छ) अंतराय कर्म की उत्तर प्रकृतियां अर्थ सहित लिखें।

गीतिका–10

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) बत्तीस सहस्त्र.....तनु छार रे।

(ख) कर्म हवाल.....पाणी रे।

(ग) कर्म के आगे सबल भी निर्बल हो जाते हैं, यह पद्य अर्थ सहित लिखें।

(घ) ऋषि हर्ष हाथ जोड़ कर विनती करते हैं, इस पद्य को अर्थ सहित लिखें।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखें– 2

(क) सूर्य कितनी किरणों वाला होता है?

(ख) द्रौपदी को जुए में किसने हारा?

(ग) आठवें व बारहवें चक्रवर्ती का नाम बतायें।

(घ) बीस भुजाएं व दस मस्तक किसके थे?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 7 आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येक वर्ग में से कोई दो अवश्य करें)– 12

पच्चीस बोल–

(क) आठवां बोल।

(ख) सतरहवां बोल।

(ग) ग्यारहवां बोल।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(घ) नौ प्राण किसमें व कौन-कौन से?

(ङ) चार कर्म किसमें व कौन-कौन से?

(च) आठ उपयोग किसमें व कौन-कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(छ) आत्मा किस कर्म का उदय।

(ज) मिथ्यात्व किस कर्म का उदय।

(झ) किस ध्यान वाले जीव कम किस ध्यान के अधिक?

तत्त्व चर्चा–

(ञ) कर्मों का कर्ता छः में कौन? नौ में कौन?

(ट) सामायिक जीव या अजीव?

(ठ) नौ तत्त्व में सावद्य कितने

प्र. 8 कोई एक पद्य लिखें– 3

(क) सावद करणी.....नांई रे।

(ख) नव तत्त्व.....विशेष।